

तेनु सतगुरु अवाजा मारे

तेनु सतगुरु अवाजा मारे वेले अमृत दे,
कोई समजन गुरु मुख प्यारे वेले अमृत दे,
तेनु सतगुरु अवाजा मारे वेले अमृत दे,

तेरे अंदर भरे खजाने उस न लूट दे रहे ने बेगाने,
तू क्यों न झाती मारी वेले अमृत दे,
तेनु सतगुरु अवाजा मारे वेले अमृत दे,

अमृत वेले अमृत बरसे उधमी पीवे आलस तरसे,
ओनु पीवण कर्मा वाले वेले अमृत दे,
तेनु सतगुरु अवाजा मारे वेले अमृत दे,

में मेरी न दिलो भुला दे गुरु शब्दा विच सूरत लगा दे,
फिर वेख ले अजब नजारे, वेले अमृत दे,
तेनु सतगुरु अवाजा मारे वेले अमृत दे,

विषया विच क्यों उम्र गवाई,
अपने घर दी होश ना आई,
उठ हुन तू अमृत पी ले वेले अमृत दे,
तेनु सतगुरु अवाजा मारे वेले अमृत दे,

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5815/title/tenu-satguru-awaja-maare-vele-amrit-de-koi-samjan-guru-mukh-pyaare-vele-amrit-de>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |